TOI Page 2

COUNSELLORS FROM LU

Job worries of students or anxiety issues among elderly, LU's experts are a call away to assuage your concerns

Name	Helpline No.	Days	Time
Prof PC Mishra	9415195530	Mon, Wed, Fri	1pm-2pm
Prof Pallavi Bhatnagar	9918025558	Mon, Sat, Sun	1pm-2pm
Prof Madhurima Pradhan	9415188700	Wed, Fri, Sun	11am-12pm
Dr Archana Shukla	8960000860	Thu, Fri, Sat	1pm-2pm
Dr Manini Srivastava	8004430853	Mon, Wed	12pm-1pm
Dr Lalit Kumar Singh	9456022781	Mon, Tue, Sat	11am-12pm
Dr Megha Singh	9795146250	Mon, Wed, Thu	12pm-1pm

LU's 100-year history to be part of course

Lucknow: Students of Lucknow University will learn about its history now.

In its centenary year, the university has decided that students at both UG and PG level should know how a two-room school transformed into a premier residential university and completed 100 glorious years with eminent alumni.

Its role in the freedom struggle and other aspects will also be in focus.

"We will be the first university to teach about itself. The history of 'University of Lucknow' will be taught as a topic under modern Indian history, an elective paper under choice-based credit system for all students," said vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

He said the topic was being introduced using his special powers as vice-chancellor.

AMAR UJALA MY CITY Page 3

सचेतक तैयार, ताकि कोरोना नहीं कर पाए फिर से वार

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। कोविड-19 का खतरा कम करने को जागरूकता संग सामाजिक दूरी का पाठ पढ़ाने के लिए कोरोना सचेतक की पहली टीम तैयार है। एक माह से चल रहा इनका प्रशिक्षण पूरा होने में एक दिन बाकी है। इसके बाद ये सोशल मीडिया व सीधे कार्य क्षेत्र में जाकर कोरोना आपदा प्रबंधन के लिए काम करेंगे। पहले चरण में 150 लोगों को प्रशिक्षित किया गया है। इसमें से 50 कार्यकर्ता लखनऊ के हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा नियंत्रण प्रबंधन प्राधिकरण व स्वयं सेवी संस्थाओं के संयुक्त कार्यक्रम अर्पण : एक्शन फॉर रिस्पांस एंड रिस्क रिडक्शन विथ पीपुल एंड नेचर के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रोजेक्ट के तहत सांख्यिकी विभाग लखनऊ विवि व पूर्वांचल ग्रामीण विकास संस्थान को नोडल संस्था बनाया गया है। मुख्य अन्वेषक प्रो. शीला मिश्रा व पीवीजीएस के डॉ. भानु को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

संक्रमण रोकने को सोशल मीडिया से लेकर जमीनी स्तर तक लोगों को करेंगे जागरूक

जानें, आखिर क्यों पड़ी सचेतक की जरूरत

नोडल अधिकारी डॉ. भानु के मुताबिक, कोरोना जिस तरह से वार करता है, वह खतरनाक है। लॉकडाउन खुलने और वैक्सीन आने के बाद भी हमें सजग रहना होगा। मानसिक तौर पर तैयार करना होगा। उनकी गतिविधियों पर नजर रखनी होगी। यह काम सचेतक करेंगे। डॉ. भानु के मुताबिक कोरोना के दूसरे और तीसरे आक्रमण से इनकार नहीं किया जा सकता है।

दो तरीके से काम करेंगे सचेतक

प्रो. शीला मिश्रा कहती हैं कि सचेतकों के एक ग्रुप में लविवि व अन्य संस्थाओं के विद्यार्थी तथा समाज के प्रबुद्ध नागरिक हैं तो दूसरे में ग्रामीण विकास एवं सहयोगी संस्थानों के अनुभवी कार्यकर्ता। विद्यार्थी जागरूकता, साइकोसोशल, समस्याओं की काउंसलिंग तथा सोशल मीडिया और फोन से सही-गलत सूचनाओं का फर्क समझाएंगे। संस्थान के कार्यकर्ता सार्वजनिक स्थानों, गांव-खेत, माल व अन्य जरूरी मौकों पर उपस्थित रहकर लोगों को सामाजिक दूरी के प्रति जागरूक करेंगे। अफवाहों तथा अनुचित खबरों व व्यवहार पर सचेत करेंगे। प्रो. शीला व डॉ. भानु ने बताया कि इन सचेतकों को बाकायदा प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र दिया जा रहा है।